

07349

**MASTER OF ARTS  
(POLITICAL SCIENCE)  
Term-End Examination  
June, 2014**

**MPSE-001 : INDIA AND THE WORLD**

*Time : 2 hours*

*Maximum Marks : 50*

---

**Note :** *Attempt five questions in all, selecting at least two questions from each section. All questions carry equal marks. Answer each question in about 400 words.*

---

---

**SECTION I**

1. Critically examine the role of political parties in the making of foreign policy.
2. Discuss any two major approaches to the study of India's foreign policy.
3. Trace India's historical ties with Central Asia and examine the importance of that region for contemporary India.
4. Analyse the role of MNCs in contemporary international relations.
5. Examine the Indian initiatives to strengthen arms control and disarmament within the United Nations framework.

## SECTION II

*Write short notes on each of the following in about 200 words.*

6. (a) Simla Agreement of 1972.  
(b) Areas of discord in India – European Union relations.
7. (a) India's relations with ASEAN during the Cold War.  
(b) Driving forces of India's relations with West Asia.
8. (a) Features of the South Asian regional state system.  
(b) Business groups in India's foreign policy process.
9. (a) Nehru's contribution to India's foreign policy.  
(b) India – Russia relations in the post-Cold War years.
10. (a) India's Peaceful Nuclear Explosion (PNE) of 1974.  
(b) Rationale and implications of nuclear tests conducted by India and Pakistan in 1998.

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

(राजनीति शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

एम.पी.एस.ई.-001 : भारत और विश्व

समय : 2 घण्टे

अधिकतम अंक : 50

नोट : कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम दो प्रश्न चुनिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए ।

**खण्ड I**

1. विदेश नीति के निर्माण में राजनीतिक दलों की भूमिका की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।
2. भारत की विदेश नीति के अध्ययन के लिए किन्हीं दो प्रमुख दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए ।
3. मध्य एशिया के साथ भारत के ऐतिहासिक सम्बन्धों की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए और समकालीन भारत के लिए उस क्षेत्र के महत्त्व की समीक्षा कीजिए ।
4. समकालीन अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में बहु-राष्ट्रीय निगमों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए ।
5. संयुक्त राष्ट्र के ढाँचे के अंतर्गत शस्त्र नियन्त्रण और निरस्त्रीकरण को सशक्त बनाने के लिए भारतीय पहलों का परीक्षण कीजिए ।

## खण्ड II

निम्नलिखित पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए ।

6. (क) सन् 1972 का शिमला समझौता ।  
(ख) भारत – यूरोपीय संघ सम्बन्धों में मतभेद के क्षेत्र ।
7. (क) शीत युद्ध के दौरान आसियान (ASEAN) के साथ भारत के सम्बन्ध ।  
(ख) पश्चिम एशिया के साथ भारत के सम्बन्धों के प्रेरक बल (Driving forces) ।
8. (क) दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय राज्य व्यवस्था की विशेषताएँ ।  
(ख) भारत की विदेश नीति प्रक्रिया में व्यापारिक समूह ।
9. (क) भारत की विदेश नीति में नेहरू का योगदान ।  
(ख) शीत युद्ध के बाद के वर्षों में भारत – रूस सम्बन्ध ।
10. (क) भारत का शांतिपूर्ण आण्विक विस्फोट (PNE)-1974 ।  
(ख) सन् 1998 में भारत और पाकिस्तान द्वारा परमाणु परीक्षण करने की प्रासंगिकता और निहितार्थ ।